|  |
| --- |
| 22. September 2024 |
| **25. Sonntag im Jahreskreis B** |
| Erste Lesung: Weish 2,1a.12.17-20; Zweite Lesung: Jak 3,16-4,3; Evangelium: Mk 9,30-37 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 381, 1+4! | Dein Lob, Herr |
|  | GL 103, 1-3 | Dieser Tag ist Christus eigen |
|  | GL 477, 1+2 | Gott ruft sein Volk zusammen |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 154 | Kyrie |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 706 | Wir beten an |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 54, 3-6.8-9 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 431 | Herr, du bist ein Schild für mich |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 382, 4+5 | Drum wirf die Sorge weg |
|  | GL 424, 1+2+5 | Wer nur den lieben Gott |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 175, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Durch das Evangelium hat Gott uns berufen* |
|  | *zur Herrlichkeit Jesu Christi, unseres Herrn.* |
|  |  |
| Credo: | GL 491, 1+2! | Ich bin getauft |
|  | Sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 448, 2+4 | Herr, gib uns Mut zum Dienen |
|  | GL 440, 1-5 | Hilf, Herr, meines Lebens |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 708 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 206 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 796, 1+3!+4 | Herr, wir bitten |
|  | GL 451, 1-4 | Komm, Herr, segne uns |
|  | GL 767, 1-4! | Dein Geist weht, wo er will |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 395, 1+2!+3 | Den Herren will ich loben |